प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
16 ए0पी0सेन रोड, मण्डी परिषद भवन,
लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– प्रयागराज।

पत्रांक– SPMU/CH/Suportive Supervision Visit/87/2022-23/ 5129 दिनांक : 18.10.2022

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 12–15 सितम्बर, 2022 के मध्य जनपद प्रयागराज में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये (विवरण संलग्नक)। कृपया भ्रमण दल द्वारा दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय

Aparna. U

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक– SPMU/CH/ Suportive Supervision Visit/87/2022-23/ तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रयागराज मण्डल।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, प्रयागराज।
4. विभागाध्यक्ष, बाल रोग, सरोजनी नायडू बाल चिकित्सालय, प्रयागराज।
5. इन्चार्ज, जिला महिला चिकित्सालय, प्रयागराज।
6. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, प्रयागराज।
8. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, प्रयागराज।

(डॉ0 वेद प्रकाश)
महाप्रबन्धक–बाल स्वास्थ्य

पर्यवेक्षण आख्या जनपद–प्रयागराज
भ्रमण दिनांक 12–15 सितम्बर, 2022

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम. एण्ड.ई./2022–23/04/2566–2 दिनांक 19.07.2022 के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 12–15 सितम्बर, 2022 के मध्य सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अंतर्गत जनपद–प्रयागराज़ का भ्रमण कर संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा एवं पर्यवेक्षण किया गया।

टीम के सदस्य –

1. डा0 वेद प्रकाश, महाप्रबंधक, बाल स्वास्थ्य, आर.बी.एस.के./आर.के.एस.के. एन.एच.एम, लखनऊ।
2. श्री विनीत सिंह, परामर्शदाता, एन.यू.एच.एम. एस.पी.एम.यू., एन.एच.एम, लखनऊ।
3. श्री वेद प्रकाश त्रिपाठी, कार्यक्रम समन्वयक, एस.पी.एम.यू., एन.एच.एम, लखनऊ।

महत्वपूर्ण बिन्दु :–

बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण :

- जनपद में एन0बी0एस0यू0 के स्टाफ नर्स हेतु 03 दिवसीय प्रशिक्षण के 03 बैच (2021–22 में स्वीकृत) लम्बित हैं, जो कि मेडिकल कालेज प्रयागराज द्वारा कराये जाने हैं। मेडिकल कालेज के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल प्रशिक्षण पूर्ण कराये जायें। उपरोक्त प्रशिक्षण हेतु धनराशि कमिटेड के रूप में उपलब्ध है।
- जनपद में ब्लाक स्तरीय एच0बी0वाई0सी0 प्रशिक्षण के बैच आयोजित किये जाने हैं जिसको तत्काल आयोजित किया जाये एवं आशाओं द्वारा एच0बी0वाई0सी0 हेतु गृह भ्रमण कार्य प्रारम्भ कराया जाये।
- जनपद में सांस कार्यक्रम की 02 दिवसीय टी0ओ0टी0 के 01 बैच लम्बित है एवं 01 दिवसीय के 26 बैच लम्बित हैं।

उपरोक्त सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम विलम्बतम माह अक्टूबर में पूर्ण करा लिये जायें।

बाल मृत्यु समीक्षा के अन्तर्गत बाल मृम्यु की समीक्षा सी0डी0आर0 पोर्टल पर अत्यन्त कम एवं असंतोषजनक है।

हाई रिस्क प्रेगनेन्सी ट्रेकिंग:–

एच0आर0पी0 केसेस की ट्रेकिंग नहीं की जा रही है। प्रायः एच0आर0पी0 केसेस की ई0डी0डी0, एल0एम0पी0 आदि की सूचना भी उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार एच0आर0पी0 के फलस्वरूप होने वाली मातृ मृत्यु एवं बाल मृत्यु को रोका जाना सम्भव नहीं है।

एन0बी0एस0यू0:– जनपद में स्वीकृत समस्त एन0बी0एस0यू0 में आवश्यक उपकरण इंस्टाल करा कर शीघ्रतिशीघ्र क्रियाशील कराया जाये।

सैम प्रबन्धन एवं बच्चे में एनीमिया से बचाव हेतु आई0एफ0ए0 सीरप की सूचना से सम्बन्धित प्रोटोकॉल एवं दिशा निर्देश सभी यू0पी0एच0सी0 एम0ओ0, सी0एच0ओ0 एवं ए0एन0एम0 को उपलब्ध कराया जाये एवं उनका अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाये।

आर0बी0एस0के0 :–

- कुछ आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्यों को अभी भी टीकाकरण/शहरी स्वास्थ्य केन्द्र/बाढ ड्यूटी आदि में तैनात किया गया है। इनको अन्य कार्यो से मुक्त करते हुये एम0एच0टी0 के कार्य में ही लगाया जाये।
- आर0बी0एस0के0 टीमों द्वारा न्यूबार्न स्क्रीनिंग का कार्य नहीं किया जा रहा है। उनके द्वारा चिकित्सालय में जन्में बच्चों की स्क्रीनिंग एवं रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाये।
- प्रश्व केन्द्र के स्टाफ द्वारा 15122 नवजात शिशुओं का परीक्षण किया गया है, परन्तु मात्र 15 शिशुओं में जन्म जात दोष पाये जाने की रिपोर्टिंग की गयी है। गुणवत्तापूर्वक जाँच हेतु आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाये।

विभिन्न इकाईयों की विस्तृत रिपोर्ट निम्नवत है–

दिनांक 12.09.2022 जिला महिला चिकित्सालय–प्रयागराज

भ्रमण बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• CDR कमेटी का गठन नही किया गया है।	नियमानुसार CDR कमेटी को तत्काल गठित किया जाए ।	एस.आई.सी. महिला चिकित्सालय, प्रयागराज।
• वार्ड में प्रसूता द्वारा नवजात को मात्र अपना दूध पिलाने के स्थान पर पाउडर दूध का भी प्रयोग किया जा रहा हैं।	पी.एन.सी. वार्ड में टी.वी. पर स्पाट्स के माध्यम से जागरूक किया जाए एवं पाउडर दूध का प्रयोग तत्काल रोका जाना। चिकित्सालय में IMS Act का पूरी तरह से पालन सुनिशिचित किया जाए।	
• AFHS साथियां केन्द्र में किशोर किशोरियों को परामर्श के सापेक्ष मात्र किशोरियों को ही परामर्श दिया जा रहा है।	सभी किशोरियों एवं किशोरों को परामर्श सुविधा प्रदान किया जाए।	
• चिकित्सालय के स्टाफ को अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं उचित इलाज की जानकारी नही है।	अति कुपोषित बच्चों के इलाज के हेतु राज्य स्तर से प्रेषित प्रोटोकाल को यथास्थान प्रदर्शित किया जाना।	
• हाई रिस्क केस की लिस्टिंग की जा रही है परंतु ट्रेकिंग नही की जा रही है।	HRP रजिस्टर में अंकित किये गये मोबाइल नम्बर पर कॉल कर सुनिशिचित किया जाना।	
• चिकित्सालय में रखे 102 एवं 108 एम्बुलेंस के रजिस्टर को सेवा प्रदाता के स्टाफ द्वारा भरा जा रहा है तथा पीसीआर की प्रति चिकित्सालय को उपलब्ध नही करायी जा रही है।	102 एवं 108 एम्बुलेंस के रजिस्टर को सेवा प्रदाता के स्टाफ के स्थान पर चिकित्सालय स्टाफ द्वारा भरा जाना एवं EMT से प्रत्येक पीसीआर की प्रति लिया जाना।	
• प्रसव कक्ष व्यवस्थित होने के साथ साथ सफाई व्यवस्था संतोष जनक मिली।		

• एन.बी.एस.यू. में दो रेडिएन्ट वार्मर एवं एक फोटो थेरेपी मशीन कियाशील हैं। चिकित्सालय को उपलब्ध कराए गये 3 रेडिएन्ट वार्मर को अभी तक इंस्टाल नही कराया गया है।	सभी रेडिएन्ट वार्मर को तत्काल इंस्टाल करा कर NBSU को पूर्ण रूप से कियाशील किया जाए।	
• CHC में उपयोग हेतु Pedatric Ventilator उपलब्ध कराए गये हैं, जिनका उपयोग इस इकाई में सम्भव नही है।	उच्चाधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त कर अन्य किसी चिकित्सालय में स्थापित किये जा सकते हैं, जहां इनका उपयोग हो सके।	
• चिकित्सालय में मधुमेह की औषधि अनुपलब्ध ।	मधुमेह की औषधि की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना।	जनपद स्तरीय अधिकारी
• अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि इस वित्तीय वर्ष में चिकित्सालय को जेनरेटर हेतु POL का बजट नही मिला है, जिससे पावर बैक अप नही है, बिना पावर बैक अप के NBSU जैसी इकाई का कियाशील होना संभव नही है।	पावर बैक अप की व्यवस्था तत्काल सुनिशिचित की जाए।	
• गत वर्ष में जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव के उपरान्त लाभार्थियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि 859 लाभार्थी हेतु कमिट की गयी जिसके सापेक्ष 855 का भुगतान किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1063 प्रसव के सापेक्ष 848 का भुगतान किया गया है।	लाभार्थियों के लम्बित भुगतान को यथाशीघ्र कराया जाना।	

आर.बी.एस.के. टीम – संविलियन विद्यालय रामपुर देवली, ब्लाक–प्रतापपुर

आर.बी.एस.के. टीम द्वारा विद्यालय में स्क्रिनिंग का कार्य किया जा रहा था भ्रमण के समय तक 60 बच्चों की स्क्रिनिंग की जा चुकी थी। प्रधानाध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय में विद्यार्थियों को नियमित रूप से डिवर्मिंग व आयरन फोलिक एसिड की गोलियां खिलायी जा रही हैं।

सरोजनी नायडू बाल चिकित्सालय (मेडिकल कॉलेज)

• CDR कमेटी का गठन नही किया गया है।	मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभागाध्यक्ष से अनुरोध किया गया कि तत्काल कमेटी का गठन किया जाए एवं नियमित रूप से कमेटी की बैठकें आयोजित की जाएं।	बाल रोग विभागाध्यक्ष **मेडिकल कॉलेज**

• प्रसव पंजिका में कुछ इमरजेंसी केस में डिलीवरी के समय के पश्चात मरीज के भर्ती होने का समय अंकित किया गया है। • एस.एन.सी.यू. में अग्निशामक यंत्र लगा है जिसे दिनांक 05.10.2021 को रीफिल कराया गया था। तैनात गार्ड को अग्निशामक यंत्र के संचालन की जानकारी है।	इस प्रकार के इमरजेंसी केस, जिन्हे सीधे प्रसव कक्ष मे ले जाया जाता है, में डिलीवरी के समय को ही मरीज के भर्ती होने का समय मानकर प्रसव पंजिका मे अंकित किया जा सकता है। ।	

दिनांक 13.09.2022 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रःफूलपुर, ब्लाक–फूलपुर

भ्रमण बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• महिला चिकित्साधिकारी डा0 उनैमुल खैर फातिमा माह फरवरी,2022 से लगातार अनुपस्थित चल रही हैं। • उपस्थिति पंजिका में HWC कोडापुर एवं बलकरनपुर के CHO तथा LMO माह मई, 2022 से लगातार अनुपस्थित अंकित हैं।	नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 फूलपुर, प्रयागराज।
• आशाओं का HBYC प्रशिक्षण नही कराया गया है।	आशाओं का HBYC प्रशिक्षण तत्काल आयोजित कराया जाए।	
• प्रसव पंजिका में रात में 2 बजे एवं प्रातः 7 बजे के लगभग सामान्य प्रसव कराये जाने की सूचना अंकित थी परंतु 11 बजे भ्रमण के समय कोई भी प्रसूता वार्ड में उपलब्ध नही थी, अर्थात चिकित्सालय में 48 घंटे रोकने के नियम का पालन नही हो रहा है।	मातृ मृत्यु में कमी हेतु प्रसूता को वार्ड में 48 घंटे रोकने हेतु आवश्यक व्यवस्था दुरूस्त किया जाना।	
• चिकित्सालय के स्टाफ को अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं उचित इलाज की जानकारी नही है।	अति कुपोषित बच्चों के इलाज हेतु राज्य स्तर से प्रेषित प्रोटोकाल को यथास्थान प्रदर्शित किया जाना।	
• हाई रिस्क केस की लिस्टिंग की जा रही है परंतु ट्रेकिंग नही की जा रही है।	HRP रजिस्टर में अंकित किये गये मोबाइल नम्बर पर कॉल कर सुनिशिचित किया जाना।	

दिनांक 14.09.2022 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, दारागंज–1

- यह हेल्थ एवं वेलनेस् सेन्टर सरकारी भवन में स्थित है, जिसे इस वर्ष NQAS सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है।
- चिकित्सालय में MOIC के अतिरिक्त एक LMO भी तैनात हैं। यहां पर डेन्टल क्लिनिक का संचालन किया जा रहा है।
- हाई रिस्क प्रिगनेन्सी केस की ट्रेकिंग नही की जा रही है। इसे सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं उचित इलाज की जानकारी नही है। इस हेतु राज्य स्तर से प्रेषित दिशा निर्देशो के प्रति समस्त स्टाफ को संवेदित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर पर संस्थागत प्रसव नहीं कराये जा रहे हैं। इसे यथाशीघ्र सुनिश्चित किये जाने हेतु कहा गया।
- नियमित टीकाकरण हेतु चिकित्सालय को कोल्ड चेन प्वाइंट बनाया गया है। कोल्ड चेन हैंडलर के स्थान पर स्टाफ नर्स द्वारा देख रेख किया जा रहा है।
- HWC पर प्रचार प्रसार संबधी सामग्री उत्तम रूप से प्रदर्शित की गयी है। तत्क्रम में कुपोषित बच्चों के Treatment Protocol को भी उचित स्थान पर प्रदर्शित किया जाए।

आर.बी.एस.के. टीम – राम अचल प्राथमिक विद्यालय, ब्लाक–बहादुरपुर

आर.बी.एस.के. टीम द्वारा विद्यालय में स्क्रिनिंग का कार्य किया जा रहा था । शिक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय में विद्यार्थियों को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां विद्यालय में खिलाने के स्थान पर घर में ले जाने को दी जा रही हैं। इसें विद्यालय मे ही खिलाया जाना सुनिश्चित करने हेतु कहा गया।

वी.एच.एन.डी. सत्र–सरपतीपुर, भागीपुर, ब्लाक–बहादुरपुर

- सत्र स्थल पर ORS उपलब्ध नही था ।
- हाई रिस्क प्रिगनेन्सी के केस की ट्रेकिंग नही की जा रही है।
- ए.एन.एम. एवं CHO को अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं उचित इलाज की जानकारी नही है।
- बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध 50 ML आयरन की सही खुराक की जानकारी का अभाव।
- सत्र स्थल पर उपस्थित CHO द्वारा अवगत कराया गया कि सरपतीपुर गांव में तीस वर्ष से अधिक उम्र के 450 व्यक्तियों के सापेक्ष 271 का CBAC फार्म भरा गया है।
- आशा का HBYC एवं NCD CPHC-IT का प्रशिक्षण नही हुआ है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटवा (बनी) बहादुरपुर, ब्लाक–बहादुरपुर

भ्रमण बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• चिकित्सालय के स्टाफ को अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं उचित इलाज की जानकारी नही है।	अति कुपोषित बच्चों के इलाज के हेतु राज्य स्तर से प्रेषित प्रोटोकाल को यथास्थान प्रदर्शित किया जाना।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 बहादुरपुर, प्रयागराज।
• हाई रिस्क केस की लिस्टिंग की जा रही है परंतु ट्रेकिंग नही की जा रही है।	HRP रजिस्टर में अंकित किये गये मोबाइल नम्बर पर कॉल कर सुनिशिचित किया जाना।	
• चिकित्सालय में रखे 102 एवं 108 एम्बुलेंस के रजिस्टर को सेवा प्रदाता के स्टाफ द्वारा भरा जा रहा है तथा पीसीआर की प्रति चिकित्सालय को उपलब्ध नही करायी जा रही है।	102 एवं 108 एम्बुलेंस के रजिस्टर को सेवा प्रदाता के स्टाफ के स्थान पर चिकित्सालय स्टाफ द्वारा भरा जाना एवं EMT से प्रत्येक पीसीआर की प्रति लिया जाना।	
• गत वर्ष में जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव के उपरान्त लाभार्थियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि 550 लाभार्थी हेतु कमिट की गयी जिसके सापेक्ष 530 का भुगतान किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1041 प्रसव के सापेक्ष 939 का भुगतान किया गया है।	लाभार्थियों के लम्बित भुगतान को यथाशीघ्र कराया जाना।	
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत कुल 77 VHSNC हैं। गत वर्ष किसी भी VHSNC को UNTIED धनराशि स्थानांन्तरित नही की गयी है। 5 VHSNC-पालीकरनपुर, बीकापुर, बारी लोढवा तथा नीलीकलां के बैंक खातों में ग्राम प्रधान के हस्ताक्षर प्रमाणीकरण का कार्य अभी लंबित है।	VHSNC बैंक खातों में ग्राम प्रधान के हस्ताक्षर प्रमाणीकरण यथाशीघ्र सुनिश्चित किये जाने हेतु सक्रिय प्रयास किये जाना।	
• पी.एन.सी. वार्ड में स्थापित टी0वी0 क्रियाशील नही है।	पी.एन.सी. वार्ड में स्थापित टी0वी0 को क्रियाशील कर विभिन्न कार्यक्रमों के टी0वी0 स्पाट्स का नियमित प्रदर्शन किया जाना	

दिनांक 15.09.2022 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, रेरूआ ब्लाक–कौड़िहार

- HWC रेरूआ पर Power Back Up की व्यवस्था नही है।
- मधुमेह की दवा 6 माह से अनुपलब्ध है।
- हाई रिस्क प्रिगनेन्सी के केस की ट्रेकिग नही की जा रही है।
- CHO को अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं उचित इलाज की जानकारी नही है।
- बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध 50 ML आयरन अनुपलब्ध एवं उसके सही खुराक की जानकारी का अभाव।
- इस हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर एक सी0एच0ओ0, एक ए0एन0एम0 एवं 05 आशायें कार्यरत हैं।
- इस हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर के अंतर्गत हाइपरटेंशन के 1192, मधुमेह के 1192, मुख कैंसर हेतु 1189 एवं ब्रेस्ट कैंसर हेतु 586 लोगों की स्क्रिनिंग की गयी।
- CHO को स्क्रिनिंग हेतु लक्षित महिला एवं पुरूषों की अलग अलग संख्या की स्पष्ट जानकारी नही है।

जिला स्तरीय बैठक– मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय प्रयागराज मे बैठक कर उपरोक्त भ्रमण में पायी गयी कमियों से संबंधित अधिकारियो को अवगत कराते हुये निराकरण हेतु चर्चा की गयी। बैठक मे मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी– आर0सी0एच0, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक, मंडलीय अर्बन हेल्थ कंसल्टेंट, मंडलीय मानीटर एच0बी0एन0सी0(यूनिसेफ) जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मातृ स्वास्थ्य कंसल्टेंट , जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर तथा एंबूलेंस सेवा प्रदाता के प्रतिनिधि ने प्रतिभाग किया।

डा० वेद प्रकाश
खंडप्रबन्धक
बाल स्वास्थ्य

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
16 ए0पी0सेन रोड, मण्डी परिषद भवन,
लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– प्रयागराज।

पत्रांक– SPMU/CH/Suportive Supervision Visit/87/2022-23/ दिनांक : 18 .10.2022

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 12–15 सितम्बर, 2022 के मध्य जनपद प्रयागराज में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये (विवरण संलग्नक)। कृपया भ्रमण दल द्वारा दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक– SPMU/CH/ Suportive Supervision Visit/87/2022-23/5129 (8) तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रयागराज मण्डल।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, प्रयागराज।
4. विभागाध्यक्ष, बाल रोग, सरोजनी नायडू बाल चिकित्सालय, प्रयागराज।
5. इन्चार्ज, जिला महिला चिकित्सालय, प्रयागराज।
6. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, प्रयागराज।
8. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, प्रयागराज।

(डॉ0 वेद प्रकाश)
महाप्रबन्धक–बाल स्वास्थ्य